vkj- ,u- vkbZ- ,u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- la[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 11 vad % 40 y[kuÅ] xq:okj 28 tuojh ls 06 Qjojh] 2021 rd i"B&8 ewY; % ,d :i;k

किसानों ने लगाया साजिश का आरोप

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलन कर रहे किसानों की ट्रैक्टर रैली में पुलिस और आंदोलनकारी किसानों के बीच हुई झड़प के एक दिन बाद बुधवार को किसान संगठनों ने प्रेस कांफ्रेंस करके अपना पक्ष रखा। किसानों ने आरोप लगाया कि उनके आंदोलन को बदनाम करने के लिए साजिश रची गई थी। किसानों ने कहा कि उनकी लाल किले तक जाने की कोई योजना नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी किसानों को जिस रूट पर रैली निकालने की इजाजत दी गई थी उन पर बैरिकेड्स लगाए गए थे और दिल्ली जाने का रास्ता खुला रखा गया था। इस बीच किसान संगठनों ने एक फरवरी को प्रस्तावित संसद मार्च भी टाल दिया है। इस बीच दो किसान संगठन मौका देख कर किसानों के आंदोलन से अलग हो गए हैं। उन्होंने ट्रैक्टर रैली के दौरान हुई झड़प को बहाना बनाया है। भारतीय किसान यूनियन भानु गुट

और अखिल भारतीय किसान संघर्ष सहयोग समिति ने अपने को आंदोलन से अलग कर लिया है। गौरतलब है कि भारतीय किसान यूनियन के भानु गुट ने ही आंदोलन कर रहे संगठनों की मर्जी के बगैर सुप्रीम कोर्ट में सबसे पहले याचिका दी थी। इसे लेकर पहले से ही किसान संगठन आशंकित थे। बहरहाल, भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने बुधवार को किसान संगठनों का पक्ष रखते हुए कहा— लाल किले पर जाने की हमारी कोई योजना नहीं थी और न ही कोई हमारी कोई झंडा फहराने की योजना थी, जिसने झंडा फहराने की कोशिश की उसका इलाज करो। तिरंगे का कोई अपमान नहीं कर सकता। लाल किले पर सिखों के धार्मिक प्रतीक निशान साहेब का झंडा फहराने को लेकर उन्होंने कहा— धार्मिक झंडा फहराने की कोशिश की, सिखों को भारत से अलग करने की कोशिश की, उसके खिलाफ कार्रवाई करें, ये एक बड़ा षडयंत्र था, जिसे किसानों और पुलिस की सूझ—बूझ से नाकाम बनाया गया। टिकैत ने दावा किया कि पांच बजे तक किसान दिल्ली खाली करके जा चुके थे। उन्होंने कहा— रात को भी हमने पुलिस को कुछ लोगों को सौंपा, जिन्होंने पुलिस वालों पर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की थी। उन्हें ये आंदोलन और स्थान छोड़ना पड़ेगा। उनके खिलाफ कार्रवाई करवाएंगे। टिकैत ने साथ ही कहा कि इसकी भी जांच होनी चाहिए कि जो रूट पुलिस ने दिया उस पर बैरिकेड्स लगेंगे और दिल्ली जाने वाला रास्ता खुला होगा, ये साजिश किसने रची। उन्होंने कहा— दिल्ली में किसानों को किसने जाने दिया, इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। किसान नेता ने कहा कि बस तोड़े जाने की खबर सबने दिखाई पर कितने किसानों के ट्रैक्टर तोड़े गए, ये नहीं दिखाया गया। उन्होंने कहा— करीब चार सौ ट्रैक्टर—गाड़ियां तोड़ी गईं। भारतीय सिख संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसबीर सिंह विर्क ने कहा— जो रास्ता दिया गया था, वहां बैरिकेड्स लगे थे। बुधार को उन्होंने कहा— कल हमने कई नए चेहरे भी देखे। शरारती तत्व जान बूझकर घुसे या घुसाए गए। जो लोग आगे थे, उनके पीछे लोग जाते गए। दिल्ली के बाहर से आए किसानों को रास्ता भी नहीं पता था।

अब सिनेमा हॉल और थिएटर में ज्यादा लोग बैठ सकेंगे

नई दिल्ली। देश भर में कोरोना वायरस के संक्रमितों की कम होती संख्या और वैक्सीनेशन शुरू होने की वजह केंद्र सरकार ने कोरोना से बचाव के लिए जारी दिशा—निर्देशों में ढील देने का

फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिशा—निर्देशों में बदलाव करते हुए कहा है कि अब सिनेमा हॉल और थिएटर में ज्यादा लोग बैठ सकेंगे। पहले सिर्फ ५० फीसदी सीटों पर ही लोगों को बैठाने की अनुमति दी गई थी। इसके अलावा केंद्र सरकार ने स्वीमिंग पूल में सभी लोगों के जाने की मंजूरी भी दे दी है। इससे पहले सिर्फ खिलाड़ियों को ही इसके इस्तेमाल की इजाजत दी गई थी। गृह मंत्रालय ने बुधवार को कहा है कि जिन गतिविधियों के लिए नई गाइडलाइन जारी की गई हैं, उनके लिए अलग से मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी जारी की जाएगी। इसमें कहा गया है कि सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में सरकारें मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग सहित सभी जरूरी नियमों का पालन करवाएंगी। जिला प्रशासन जरूरत के हिसाब से कंटेनमेंट जोन तय करेंगे लेकिन इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों का ध्यान रखना होगा। कहा गया है कि जिला, पुलिस और नगरपालिका के अधिकारी कंटेनमेंट जोन में कड़ाई से सभी उपाय लागू करने के लिए जिम्मेदार होंगे। राज्य और केंद्र शासित प्रदेश सरकारें इस बारे में संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करेंगी। इसमें कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर गृह मंत्रालय की सलाह के बाद नागरिक विमानन मंत्रालय फैसला करेगा।

रेलवे की जमीन पर निर्माण के लिए नहीं बदलवाना पड़ेगा भू—उपयोग

लखनऊ। यूपी सरकार ने रेलवे की जमीन पर निर्माण के लिए भू—उपयोग परिवर्तन कराने की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। यह सुविधा कुछ शर्तों के साथ दी गई है। रेलवे की जमीन पर होने वाला निर्माण महायोजना के अनुरूप होना चाहिए और इसके एवज में उसे वाह्य विकास शुल्क देना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कैबिनेट की बैठक में यह फैसला किया गया। उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम में दी गई व्यवस्था के आधार पर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के तहत रेलवे की जमीन का आवासीय या व्यवसायिक निर्माण के लिए भू—उपयोग परिवर्तन कराने की अनिवार्यता थी। इससे रेलवे की जमीन पर निर्माण को लेकर बाधा आती थी। वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के पास रेलवे की जमीन पर भू—उपयोग के इतर दूसरा निर्माण कराया जाना है। इसको लेकर आवास विभाग को प्रस्ताव भेजा गया था। इसके आधार पर आवास विभाग के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। इसके मुताबिक भविष्य में रेलवे की जमीन पर आवासीय, व्यवसायिक या फिर अन्य किसी निर्माण के लिए भू—उपयोग बदलवाने की जरूरत नहीं होगी। यह सुविधा कुछ शर्तों के साथ दी जाएगी। रेलवे द्वारा अपने जमीन पर व्यवसायिक निर्माण कराने पर उस क्षेत्र में वाह्य अवस्थापना सुविधाओं और यातायात का दबाव बढ़ेगा। इसलिए नियमानुसार वाह्य विकास शुल्क देना होगा। संबंधित स्थान से सटे हुए महायोजना में प्रस्तावित भू—उपयोग के आधार पर निर्माण करना होगा।

दिल्ली रूट की बसों का संचालन शुरू

लखनऊ। किसान आंदोलन की वजह से लखनऊ—दिल्ली—लखनऊ रूट पर बंद रोडवेज बसों का संचालन बुधवार सुबह से शुरू हो गया। लखनऊ के आलमबाग, चारबाग, कैसरबाग और अवध बस अड्डे से अपने समय सारणी से बसें चलने लगीं। अ नलाइन बुकिंग वाली बसें अपने तय समय से बुधवार को आलमबाग बस अड्डे से रवाना हुईं। वहीं दिल्ली के आनन्द विहार बस टर्मिनल और कौशांबी बस अड्डे से भी लखनऊ के लिए

बसें चलने लगीं। ये बसें आगरा एक्सप्रेस वे और यमुना एक्सप्रेस वे दोनों रास्ते से आवागमन करेंगी। बता दें कि मंगलवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर भड़के किसान आंदोलन की वजह से लखनऊ—दिल्ली के बीच बसों का संचालन रोक दिया गया था। यह जानकारी देते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक एके सिंह ने बताया कि चौबीस घंटे पर आंदोलन की आग ठंडी पड़ने के बाद बसों का संचालन पुनरू कर दिया गया।

सम्पादकीय

महिलाओं की प्राइवेसी का अहम मुद्दा

योगी आदित्यनाथ सरकार की महिलाओं को सुरक्षा देने की अब की तमाम योजनाएं नाकाम रहीं, तो अब 'मिशन–शक्ति' अभियान से क्या हासिल हो जाएगा? उलटे इससे महिलाओं की प्राइवेसी का अहम मुद्दा उठा है। हालांकि भाजपा सरकार निजता की स्वतंत्रता जैसे मूलभूत प्रश्नों को ज्यादा अहमियत नहीं देती, फिर भी ये मुद्दा महत्त्वपूर्ण है। 'मिशन–शक्ति' अभियान के तहत लखनऊ पुलिस अब ऐसे मामलों पर त्वरित कार्रवाई के लिए शहर के चुनिंदा स्थानों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से लैस कैमरे लगवाएगी। पुलिस के मुताबिक इसका मकसद छेड़छाड़ जैसी घटनाओं के दौरान उस जगह की तस्वीरें सीधे कंट्रोल रूम तक भेजना है, ताकि पुलिस तत्काल पहुंच कर अभियुक्तों पर कार्रवाई कर सके। ये इस मामले में अगर इस सरकार की पहली घोषणा होती, तो जरूर ही इस पर बहुत से यकीन करते। लेकिन फिलहाल सवाल यह उठा है कि एंटी–रोमियो स्क्वैड्स का क्या हुआ? वे दस्ते भी तो इसी मकसद से बनाए गए थे। इसकी सफलता तो दूर की बात है, महिला सुरक्षा के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार का असल रिक र्ड सवालों से घिरा है। उन्नाव, हाथरस, बलरामपुर और अन्य इलाकों में हुई कथित बलात्कार की घटनाओं ने उसके रिक र्ड को लांछित किया है। अब यूपी पुलिस का कहना है कि लखनऊ में ऐसी २०० जगहों की पहचान की गई है, जहां महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं ज्यादा होती हैं। सबसे पहले इन्हीं जगहों पर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से युक्त कैमरे लगाए जाएंगे, ताकि इन इलाकों पर हर वक्त नजर रखी जा सके। इन कैमरों की खासियत यह होगी कि ये चेहरे के हाव–भाव से ही किसी महिला के साथ हो रही छेड़छाड़ का पता लगा लेंगे। ये दावा भी विवादास्पद है। इसमें पुलिस ज्यादती नहीं होगी, इसे सुनिश्चित करना मुश्किल है। खासकर उस हाल में जब पुलिसकर्मी पितृ–सत्तात्मक मानसिकता से भरे हुए हैं। बेहतर यह होता कि राज्य सरकार पहले इस बात की समीक्षान करती कि महिला सुरक्षा संबंधी उसकी पहले की योजनाएं क्यों नाकाम रहीं। पिछले दिनों सरकार ने 'ऑपरेशन दुराचारी' नामक अभियान चलाने की भी बात कही थी, जिसके तहत महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म या अन्य अपराध करने वालों के पोस्टर चौराहों पर लगाए जाने थे। बहरहाल, एंटी रोमियो स्क्वैड्स से लेकर ऑपरेशन दुराचारी तक से हालात में कोई सुधार नहीं हुआ। तो ऐसा कैसे होगा, यह समझना मुश्किल है।

70 साल का हुआ उत्तर प्रदेश, स्थापना दिवस पर मोदी, योगी ने दी बधाई

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश ७० साल का हो गया है। आज यूपी का स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। २४ जनवरी १९५० को उत्तर प्रदेश को यह नाम मिला था। पूर्व राज्यपाल राम नाईक की पहल पर पहला दिवस मनाया गया था। आज यूपी का तीसरा स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य कई नेताओं ने शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहा है। प्रध ाानमंत्री ने ट्वीट किया, "उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर राज्य के सभी लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं। त्याग, तप, परंपरा और संस्ंति की पावन भूमि वाला यह राज्य आज आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मेरी कामना है कि चौतरफा विकास की ओर अग्रसर यह प्रदेश यूं ही नई ऊंचाइयों को छूता रहे।"

'जय श्री राम' का नारा लगाने के लिए मजबूर नहीं कर रहे : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि किसी को भी 'जय श्री राम' कहने को मजबूर नहीं किया जा रहा और इस तरह के नारों में बुरा मानने की कोई बात नहीं है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐसे नारे लगने के बाद कोलकाता में एक कार्यक्रम को संबोधित करने से इनकार कर दिया था। बनर्जी ने शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में तब बोलने से इनकार कर दिया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में वहां ''जय श्री राम'' के नारे लगाए गए। महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी की १२५वीं जयंती मनाने के लिए कोलकाता के विक्टोरिया मेमोरियल में आयोजित कार्यक्रम में बनर्जी अपना भाषण शुरू करने मंच पर खड़ी हुईं तभी भीड़ में शामिल कुछ लोगों द्वारा नारा लगाया गया। योगी ने यहां कुछ पत्रकारों से बातचीत में कहा, "यदि कोई जय श्री राम कहता है तो इसमें बुरा मानने की कोई बात नहीं है क्योंकि यह तो एक प्रकार का अभिवादन है।'' उन्होंने कहा,''यदि कोई नमस्कार या जय श्री राम कहता है तो यह उनके शिष्टाचार को दर्शाता है।'' 'जय श्री राम' के

नारे लगने के बाद बनर्जी के सभा को संबोधित करने से इनकार के बारे में एक सवाल के जवाब में योगी ने कहा, ''हम किसी को भी बोलने के लिए मजबूर नहीं कर रहे। लेकिन यदि कोई जय श्री राम कहता है तो इसमें बुरा लगने जैसा कुछ नहीं है।'' बनर्जी ने कहा था कि कि ऐसा ''अपमान'' अस्वीकार्य है। योगी ने दावा किया कि देश में जिन राज्यों में कानून–व्यवस्था सबसे अच्छी है, उसमें से एक उत्तर प्रदेश है। इस दौरान योगी ने कहा कि राज्य के बंटवारे की उनकी कोई योजना नहीं है क्योंकि वह बंटवारे में नहीं एकजुटता में भरोसा रखते हैं। उत्तर प्रदेश की जनता को अपने इतिहास पर गर्व है और देश में इस राज्य का अपना महत्व है। हम एकजुटता में विश्वास करते हैं ना कि बंटवारे में। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने राज्य के पूर्वी हिस्से और बुंदेलखंड के विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

छपरा–गोमतीनगर–छपरा स्पेशल ट्रेन का संचालन शुरू

लखनऊ। १० माह से गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से छपरा कचहरी के बीच स्पेशल ट्रेन शुरू होने जा रही है। ये ट्रेन २७ जनवरी से अगले आदेशों तक रोजाना चलेगी। यह जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के सीपीआरओ सुबह ६रू३५ बजे पहुंचेगी। ट्रेन नंबर ०५११३ गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से २८ जनवरी से रोजाना रात ०६रू१० बजे चलकर बाराबंकी के रास्ते अगले दिन सुबह ०८रू४० बजे छपरा कचहरी पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव

पंकज कुमार सिंह ने दी। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन नंबर ०५११४ छपरा कचहरी से गोमतीनगर स्पेशल ट्रेन २७ जनवरी से व ट्रेन नंबर ०५११३ गोमतीनगर से छपरा कचहरी २८ जनवरी से प्रतिदिन चलेगी। ट्रेन नंबर ०५११४ छपरा कचहरी रेलवे स्टेशन से २७ जनवरी से रोजाना शाम ७रू२० बजे चलकर गोमतीनगर अगले दिन बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, रामकोला, पडरौना, दुदही, तमकुही रोड, थावे जंक्शन, गोपालगंज, दिघवा दुबौली, मशरख व मढोरा में होगा। इस स्पेशल ट्रेन में दो एसएलआर, आठ जनरल, सात स्लीपर, दो थर्ड एसी व सेकेंड एसी समेत कुल २० कोच लगाए जाएंगे।

सोनू निगम ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से की मुलाकात

लखनऊ। बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से

उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने सोनू निगम को अयोध्या में मंदिर के भूमिपूजन का स्मारक सिक्का और कुंभ की कॉफी टेबल बुक भेंट की। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने उनको उपहार में श्रीरामजन्मभूमि और महाकुंभ का प्रसाद दिया है। सोनू निगम ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बहुत ही डायनामिक और दूरदर्शी नेता हैं। अगर ऐसे लोगों का नेतृत्व किसी प्रदेश या देश को मिलता है तो उसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। यही वजह थी कि लखनऊ में था तो उनसे मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने उनसे सिर्फ यही कहा है कि उनकी सोच इतनी अच्छी है कि उससे सभी को जुड़ना चाहिए। अगर हमारे लिए कोई भी सेवा हो तो हम उसमें सहयोग देने के लिए तैयार हैं। सोनू निगम ने कहा कि रविवार को अपने मित्रों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। ये हम लोगों के लिए ऐतिहासिक क्षण है जब हम अपनी आंखों के सामने राम मंदिर निर्माण को देख रहे हैं। इसका सहभागी बनना सौभाग्य का पल था। सोनू निगम ने आगे कहा कि मंगलवार को वे वाराणसी में काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए जाएंगे।

विद्यालय अली नगर सुनहरा में छात्रा कुसुम ने जीता टैबलेट

लखनऊ। कौन कहता है सरकारी स्कूलों में पढ़ाई नहीं होती.. इसको झूठा साबित कर दिया है नगर क्षेत्र जोन एक के बेसिक स्कूल नें जहां बन्द नहीं हुई करोना काल में भी पढ़ाई इस स्कूल में सिर्फ कक्षा एक से आठ तक मात्र एक प्रभारी अध्यापक और एक शिक्षा मित्र जिन्होंने अपनी मेहनत से स्कूल की तस्वीर ही बदल दी... इसीलिए नगर क्षेत्र जोन एक के बेसिक विद्यालय में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बेसिक विद्यालय अली नगर सुनहरा में मुख्य अतिथि खण्डं शिक्षा अधिकारी कमलेश सिंह द्वरा विद्यालय की छात्रा को टैबलेट प्रदान किया गया। कोरोना काल के दौरान बेसिक विद्यालय अली नगर सुनहरा नगर क्षेत्र जोन एक में आधुनिक एवं डिजिटल शिक्षा देने की मुहिम के अंतर्गत विद्यालय में बच्चों की व्हाटसएप और लैपटाप के माध्यम से कक्षाएं संचालित शुरू की गई। इस प्रयास के लिए प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश कुमार पाण्डेय ने हर कक्षा के लिए अलग–अलग समय का चार्ट बनाकर स्कूल में पंजींत १४८ बच्चों को व्हाटस्एप और लैपटाप के माध्यम से जोड़ कर शिक्षण कार्य कराना शुरू किया, जिसमें बेसिक विद्यालय अली नगर सुनहरा के बच्चों नें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया इसी कड़ी में विद्यालय की प्रतिभावन छात्रा कुसुम रावत नें सबसे अधिक स्पार्की पाकर और सबसे अधिक प्रश्नों के सही उत्तर देकर पढ़ने लिखने की इस मुहिम में प्रथम स्थान प्राप्त कर टैबलेट जीत लिया। इस प्रतिभावान छात्रा को प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन के माध्यम से खण्डं शिक्षा अधिकारी कमलेश सिंह ने उपहार स्वरूप टैबलेट प्रदान किया। उन्होंने कहा जिन्हें किसी कारणवश पुरस्कार नहीं मिला है उन्हें निराश नहीं होना है वो आगे मेहनत से इसी बच्ची कुसुम की तरह ही शिक्षकों के द्वारा बताए जा रहे तरीकों को अपनाकर आगे आने वाले दिनों में वो भी टैबलेट जीत सकते हैं। और कुसुम के माता पिता की तरहा अपने माता पिता का सीना भी गर्व से ऊंचा कर सकते हैं। इस अवसर पर सामाजिक दूरी का पालन करते हुए विद्यालय की शिक्षामित्र सुनीता देवी यादव, शिक्षा मित्र अभिषेक बाजपेई, डीएलएड प्रशिक्षु उपमा सिंह, प्रियंका यादव, प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन के जिला हेड ओमप्रकाश यादव, सुषमा त्रिपाठी, टीम लीडर अनिल यादव, हार्डवेयर इंजीनियर कमल सिंह भाकुनी, प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन के कम्प्यूटर शिक्षक शावेज सर, प्रभारी प्रधानाध्यापक राकेश कुमार पाण्डेय, विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष राजकुमार रावत, उपाध्यक्ष माया देवी, एसएमसी सदस्य संजय कुमार, केतकी, बाबूदेई यादव, मंजू लोधी, संगीता, रज्जन रावत, नेता पुरूषोत्तम यादव, राजेश अग्रवाल, वार्ड संसाधन केन्द्र हजरतगंज से से अनिल कुमार, दिनेश कुमार व कई अभिभावक उपस्थित रहे उन्होंने पुरस्कार प्राप्त छात्रा को और माता पिता को बधाई प्रदान की।

नगर निगम ने चलाया साफ–सफाई और अतिक्रमण विरोधी अभियान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में जहां एक और अनगिनत बढ़ते वाहन ट्रैफिक जाम की समस्या बने हुए हैं। तो वहीं दूसरी ओर सड़कों पर खड़े होने वाले लोगों के वाहन भी लोगों के लिए सिरदर्द साबित हो रहे हैं। बात चाहे

आम जनता के निजी वाहनों की हो या पुलिस थानों और चौकियों पर पकड़े गए वाहनों की हो सब मिलकर शहर की ट्रैफिक से सम्बंधित समस्या को बढ़ावा दे रहे हैं। ट्रैफिक की समस्याओं के साथ साथ सड़कों पर खड़े यह वाहन साफ सफाई में भी बाधा बनते हैं। इसी के मद्देनजर नगर निगम जोन ६ में बुधवार को कोनेश्वर चौराहे से लेकर बालागंज चौराहे तक साफ–सफाई अभियान चलाया गया और अतिक्रमण विरोधी अभियान भी चलाया गया। यह अभियान जोनल अधिकारी अम्बिबिष्ट के नेतृत्व में चलाया गया। जोन ६ द्वारा २४ जनवरी को भी बालागंज चौराहे से लेकर सफेद मस्जिद तक अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया गया था और सड़को पर अवैध रूप से खड़ी लगभग ७ गाड़ियों को उठाया गया था। जिनसे जुर्माने के रूप में दस हजार रुपये वसूले गये थे। इसी तरह से बुधवार को भी अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए सड़क पर खड़े तीन वाहनों को नगर निगम जोन ६ द्वारा उठाया गया। साथ ही जोनल अधिकारी अम्बिबिष्ट द्वारा बालागंज चौकी पर जा कर सड़को पर खड़ी गाडियों को हटाने को भी कहा गया जिससे कि साफ सफाई में व्यवधान ना उत्पन्न होने पाए। अम्बिबिष्ट ने बताया कि बालागंज पुलिस द्वारा बताया गया कि यहां खड़ी गाड़िया सीज हुई हैं, यह ल कडाउन में पकड़ी गईं वो गाड़िया हैं जिनको वाहन मालिकों द्वारा अभी तक छुड़ाया नही गया है। उन्होंने बताया कि आज भी लगभग तीन गाड़ियों को उठाया गया है, जिन पर जुर्माना भी लगाया गया है।

अमरूद खरीदते अखिलेश यादव ने शेयर की तस्वीर

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में शहरों के नाम बदलने को लेकर योगी सरकार पर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने अपने ट्विटर अकाउंट पर अमरूद की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वे अमरूद खरीदते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पूछा कि क्या इलाहाबादी अमरूद का नाम भी बदल गया है? अखिलेश यादव ने ट्वीट कर सवाल किया, "भाई अभी भी सबसे प्रसिद्ध अमरूद 'इलाहाबादी अमरूद' कहलाता है या उसका भी नाम बदलकर 'प्रयागराजी अमरूद' हो गया है?" आपको बता दे कि योगी सरकार ने यूपी के दो जिलों फैजाबाद और प्रयागराज के नाम भी बदल दिए। फैजाबाद का नाम बदलकर अब अयोध्या कर दिया गया है। साथ ही संगम नगरी इलाहाबाद का नाम बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है। इसके अलावा यूपी के कई जिलों के नाम बदलने की भी मांग उठ रही हैं।

अनुसूचित जाति के अभियंता को किया रिवर्ट

लखनऊ। प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों में लगातार दलित अभियंताओं को जानबूझ कर चिन्हित कर उनका उत्पीड़न प्रबंधन द्वारा किया जा रहा। जिसको लेकर सोमवार को उत्तर प्रदेश पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन प्रांतीय कार्यसमित ने आर–पार की लड़ाई लड़ने का एलान किया है। सभी सदस्यों ने कहा कि दो फरवरी को एसोसिएशन द्वारा बुलाये गए सम्मेलन के बाद प्रबंधन के खिलाफ दलित विरोधी कार्यवाही के लिए आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले दो महीने के दो दलित अभियंताओ को प्रबंधन द्वारा रिवर्ट किया गया। दो दिन पूर्व सुरेश चंद्र बुनकर अधीक्षण अभियंता जलविद्युत को रिवर्ट कर अधिशाषी अभियंता बना दिया गया। जिस पर दलित अभियंताओं ने घोर आपत्ति दर्ज कराई है। एसोसिएशन की ओर से अब करो मरो की तर्ज पर आंदोलन करने का एलान किया गया है। उ.प्र. पावर ऑफिसर्स एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा, अतरिक्त महासचिव अनिल कुमार, सचिव आरपी केन, संगठन सचिव अजय कुमार, मध्यांचल अध्यक्ष महेंद्र सिंह, बालक राम एचपी कौशल, रणजीत कुमार, आनंद कन्नौजिया ने कहा कि पूरे प्रदेश में दो फरवरी को सम्मेलन के बाद आर पर की लड़ई लड़ने का एलान किया गया है।

गणतंत्र दिवस पर 'गण' की भी चिंता जरूरी : मायावती

लखनऊ। किसान आंदोलन का सीधे तौर जिक्र किये बगैर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कहा कि गणतंत्र दिवस को केवल रस्म अदायगी के तौर पर मनाने की बजाय गरीब, कमजोर, किसान और मेहनतकश लोगों की जीवन यापन की समीक्षा करनी चाहिये। देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनायें देते हुये मायावती ने मंगलवार को कहा कि गणतंत्र दिवस को केवल रसम अदाएगी के तौर पर मनाने के बजाए करोड़ों गरीबों, कमजोर तबकों, मजदूरों, किसानों, छोटे व्यापारियों व अन्य मेहनतकश लोगों ने पिछले वर्षों में वास्तव में अपने जीवन में क्या पाया व क्या खोया इसके आकलन व समीक्षा की भी जिम्मेदारी निभानी चाहिए क्योंकि देश इन्हीं लोगों से बनता है व इनके बेहतर जीवन से फिर सजता व संवरता है। उन्होने कहा कि २६ जनवरी १९५० को बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर का समतामूलक अति–मानवतावादी पवित्र संविधान लागू हुआ तबसे लेकर अब तक का देश का इतिहास यह साबित करता है कि यहाँ पहले चाहे कांग्रेस पार्टी की सरकार रही हो या फिर अब भाजपा की, दोनों ने ही मुख्य तौर पर अपने असली संवैधानिक दायित्वों से काफी हद तक मुह मोड़ा है वरना देश गरीबी, बेरोजगारी व पिछड़ेपन आदि से इतना ज्यादा पीड़ित व त्रस्त अबतक लगातार क्यों बना रहता। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि इस देश की असली जनता ने लाचार, मजबूर व भूखे रहकर भी देश के लिए हमेशा कमर तोड़ मेहनत की है फिर भी उनका जीवन सुख–समृद्धि से रिक्त है जबकि देश की सारी पूँजी कुछ मुट्ठीभर पूँजीपतियों व धन्नासेठों की तिजोरी में ही लगातार सिमट कर रह गई है, जो ईर्ष्या की बात नहीं है मगर एक प्रकार से गलत व अनुचित मानी जाने वाली बात जरूर होनी चाहिए। देश में करोड़ों गरीबों व चन्द अमीरों के बीच दौलत की खाई लगातार बढ़ती ही जा रही है, जो भारत जैसे महान संविधान वाले देश के लिए अति–चिन्ता के साथ–साथ बड़े दु:ख की भी बात है और आज गणतंत्र दिवस के दिन यह गंभीर चिन्तन का विषय होना ही चाहिये। उन्होने कहा कि यह देश बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर के अपार देशप्रेम व उससे ओत–प्रोत मानवतावादी संविधान देने के लिए उनका हमेशा ही ऋणी व शुक्रगुजार रहा है लेकिन उनके समतामूलक संवैधानिक आदर्शों व सिद्धान्तों पर अमल करने का मामला काफी ढीला व ढुलमुल ही रहा है, जिसके लिए यहाँ केन्द्र व राज्यों में ज्यादातर रहीं कांग्रेस व बीजेपी की सरकारें ही खासकर ज्यादा दोषी मानी जायेंगी वरना देश में जातिवाद के साथ–साथ यहाँ आर्थिक एवं

सामाजिक भेदभाव व विषमता का भी अब तक काफी हद तक अन्त जरूर हो गया होता। यह बाबा साहेब का खास मकसद था और जिस समतामूलक समाज के बल पर वे इस देश के गरीब, कमजोर व पिछड़े वर्ग के लोगों को यहाँ का शासक वर्ग के रूप में देखना चाहते थे। यह एक युग परिवर्तनीय मानवीय सोच व दृष्टिकोण है जो कांग्रेस और बीजेपी दोनों की ही सोच व कार्यशैली को झकझोरती है और इसीलिए ये दोनों ही पार्टियाँ समतामूलक मानवीय समाज व देश बनाने के मामले में जग–जाहिर तौर पर हमेशा एक ही थैली के चट्टे–बट्टे रहे हैं। उन्होने कहा कि यही कारण है कि आज देश में करोड़ों गरीब, मजदूर व अन्य मेहनतकश समाज के लोग असंगठित तौर पर बदहाल जीवन जीने को मजबूर हैं मगर देश का किसान समाज सरकारी तंत्र के माध्यम से अब और ज्यादा बदहाल जीवन जीने को कतई तैयार नहीं लगता है और इसके विरुद्ध लगातार संर्घषरत है और अब तो खासकर दिल्ली की विभिन्न सीमाओं पर एकत्रित होकर पिछले काफी दिनों से इस कड़ाके की ठंड में भी परिवारों के साथ जबर्दस्त तौर पर आन्दोलित व संघर्षरत हैं और आज दिल्ली में अलग–अलग सीमाओं पर ''ट्रैक्टर परेड'' करके अनोखे तौर पर गणतंत्र दिवस मना रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सम्बंध में हालाँकि सरकार से मेरी लगातार अपील रही है कि वह किसानों की खासकर तीनों कानूनों को वापस लेने की माँग को मान ले और फिर किसानों से आवश्यक सलाह–मश्विरा करके नया कानून जरूर ले आए तो बेहतर होता। निश्चय ही राजनीति से परे पूर्ण रूप से देशहित में रखी गई बसपा की यह बात समय से केन्द्र सरकार अगर मान लेती तो आज गणतंत्र दिवस पर जो एक नई परम्परा की शुरूआत हो गई है उसकी नौबत ही नहीं आती। इसे किसानों के प्रति भी सरकार की घोर असंवेदनशीलता नही तो और क्या कहा जाएगा। उन्होने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण लॉकडाउन व उस दौरान की जबर्दस्त अव्यवस्था व अफरातफरी आदि के दौरान भी देश के लोगों के प्रति सरकारी तंत्र की जो असंवेदनशीलता आदि हर जगह देखने को मिली है वह भी किसी से छिपी हुई कोई नई बात नहीं है बल्कि ऐसी सरकारी उदासीनता व गलत कार्यशैली की भुक्तभोगी यहाँ की गरीब जनता हमेशा ही रही है। यही नहीं कोरोना प्रकोप के कारण देश भर में जो गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि अत्याधिक बढ़ी है उसका भी निदान सही ढंग से करने में केन्द्र व राज्य सरकारें विफल साबित हो रही है, जो देश के गणतंत्र की गरिमा के अनुरूप तो नहीं ही लगती हैं। सरकार गणतंत्र दिवस मनाएं लेकिन ''गण'' की भी सही चिन्ता जरूर करे तभी देश की गणतंत्र का आपेक्षित मान–सम्मान बढ़ेगा।

अद्भुत रिकार्ड : नाखून बढ़ाने का विश्व रिकार्ड

अमरेन्द्र सहाय अमर

दुनिया में लोगों के अजब गजब के शौक होते है. अपने शौक को पूरा करने के लिए लोग कठिन काम और तपस्या भी करते है. आज एक ऐसे इंसान के बारे में बताने जा रहे है जिसे नाखून बढ़ाने का शौक है. इस शौक के चलते लंबे नाखून' वाले व्यक्ति के रूप में उनका नाम दर्ज हो चुका है. उनकी इच्छा थी कि उनके नाखून संग्रहालय में सुरक्षित रखे जाएं. हालाँकि इस रिकार्ड के पीछे उन्हें बहुत दुश्वारियां भी झेलनी पडी. उनकी इस जूनून के पीछे उनके बाएं हाथ ने काम करना बंद कर हो गई थी. बात सन १९५२ की थी जब श्रीधर स्कूल के छात्र थे. एक दिन उनकी गलती से उनके शिक्षक का लंबा नाखून टूट गया. इससे उनके शिक्षक बहुत नाराज हो गए और उनको बहुत डांटा. उन्होंने कहा कि वह कभी नहीं समझ पाएंगे कि उन्होंने क्या कर नाखून नहीं कटाने और इसके वजन से श्रीधर का बायां हाथ स्थायी रूप से बेकार हो गया है. वे न तो मुट्ठी बंद कर सकते हैं और न उनकी अंगुलियों में कोई हलचल है. लंबे नाखूनों की वजह से वो ज्यादा हिल–डुल नहीं पाते थे. वो हर आध े घंटे के बाद उठते थे, और सामान्य लोगों की तरह कटवाते रहे. ८२ साल की उम्र में ११ जुलाई २०१८ को श्रीधर के नाखूनों की कटाई हो चुकी है. श्रीधर ने अपने इन नाखूनों को सहेजकर म्यूजियम में रखने की अपील की है. उन्होंने टाइम्स स्क्वायर पर अपने नाखून कटवा लिए. इस मौके पर एक

उसने अपना नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड भी बनाया. हम बताने जा रहे है श्रीधर चिल्लाल के बारे में जो कि पुणे के निवासी है, जिन्होंने नाखून बढ़ाने के मामले गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड बनाया है. . २०१८ में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में 'एक हाथ के सबसे दिया. आपको जानकार आश्चर्य होगा कि श्रीधर चिल्लाल ने साल तक अपने बाएं हाथ के नाखूनों को नही काटा. तब तक उनके नाखूनों की लम्बाई नौ मीटर हो चुकी थी .उनका सबसे लम्बा नाखून बाएं हाथ के अंगूठे का है जिसकी लम्बाई १९७.८ सेंटीमीटर दिया है, क्योंकि उनमें किसी चीज को लेकर प्रतिबद्धता नहीं है. इसे श्रीधर ने चुनौती की तरह लिया और उसके बाद से बाएं हाथ का अंगूठा कभी नहीं कटवाया. श्रीधर जब अपनी बायाँ हाथ अपनी छाती तक उठाते थे तो उनके नाखून जमीन को छूते थे लंबे समय तक नाखून समेत अपना हाथ बेड के दूसरे साइड पर कर लेते थे. इसके अलावा नाखून के बोझ से वो अपने बाएं हाथ से कोई काम नहीं कर पाते. इस नाखून के चक्कर में श्रीधर की बाएं कान से आवाज सुन पाने की क्षमता भी खत्म हो चुकी है. हालांकि, दाएं हाथ का अंगूठा वे विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. इसके लिए वे विशेष रूप से भारत से न्यूय र्क आए थे.उनकी इच्छा थी कि उनके नाखून संग्रहालय में रखे जाय. श्रीधर के नाखूनों को अब रिप्लेज बिलीव इट ओर नाट नामक संग्रहालय में रखा गया है.

संविधान अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी करता है जागरूक : सीएम योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहूती देने वाले अमर शहीदों व देशभक्तों को नमन किया। साथ ही भारतीय संविधान के निर्माताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने इससे पूर्व पांच कालीदास मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि संविधान के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हर नागरिक का दायित्व है। भारत का संविधान हमें अपने अधिकारों के साथ–साथ अपने उन कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते छह वर्षों में किसानों के लिए जिस प्रकार के कार्यक्रम चलाए गए हैं, उससे किसानों की स्थिति में काफी सुधार आया है। किसानों के हितों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना व ऐसी अन्य योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार किसानों को लागत का डेढ़ गुना लाभ एमएसपी के माध्यम से दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सूबे में २.३५ करोड़ से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लाभान्वित किया जा रहा है। योगी ने कहा कि करीब १० माह से पूरा देश वैश्विक महामारी कोरोना से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्णयों तथा निरंतर संवाद से कोरोना से निपटने में अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति बेहतर रही है। प्रधानमंत्री के निर्देशन में कोरोना के खिलाफ जंग में जो रणनीति बनाई गई, उससे लोगों की जान भी बची और विकास कार्य भी संचालित किये गये। इन सभी कार्यों में नागरिकों ने अनुशासन का जो परिचय दिया, वह अत्यंत सराहनीय है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गणतंत्र दिवस सभी के लिए कोरोना जैसी महामारी से बचाव का उपहार लेकर आया है। प्रदेश में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान के पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों का टीकाकरण हो रहा है। राज्य सरकार १५ फरवरी २०२१ से कोरोना वॉरियर्स को भी इस टीकाकरण अभियान से जोड़ने पर विचार कर रही है। उन्होंने कोरोना की जंग में यूपी ११२ की भूमिका की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि कोरोना कालखंड में १.२५ करोड़ श्रमिकों व कामगारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। कहा कि बसंत पंचमी के अवसर पर 'अभ्युदय योजना' का शुभारंभ किया जाएगा। सूबे में बीते चार वर्षों के दौरान चार लाख युवाओं को सरकारी सेवा से जोड़ा गया है।

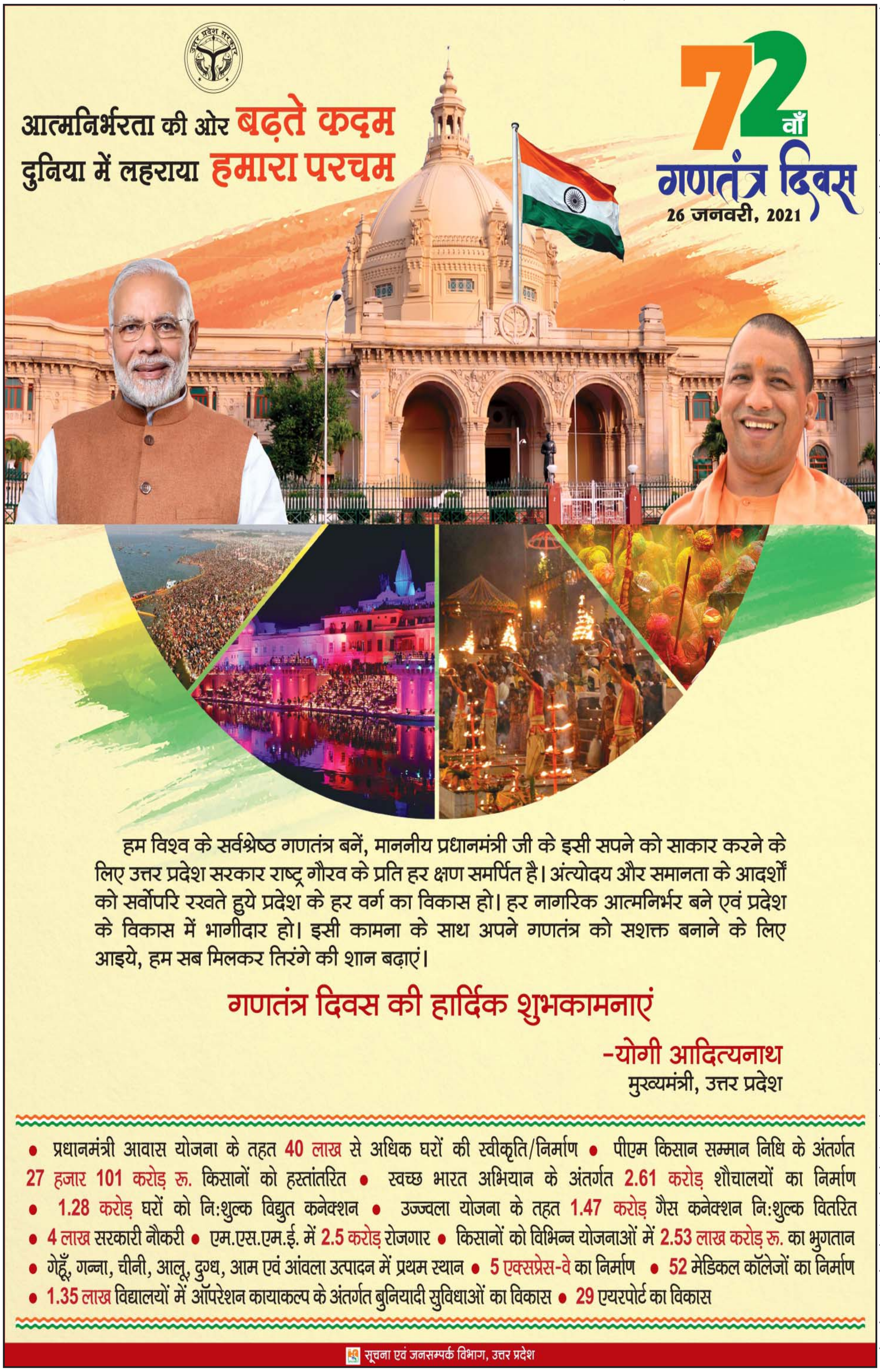

गणतंत्र दिवस के दिन पकड़ा गया नाइजीरियन

लखनऊ। राजधानी में जहां हर तरफ गणतंत्र दिवस यानी २६ जनवरी की खुशी की लहर थी। वहीं, राजधानी की सरोजनीनगर पुलिस ने एक नाइजीरियन युवक को दबोचा। बताया जा रहा है कि आरोपित का वीजा समाप्त होने के बावजूद राजधानी में ठहरा था। अब पुलिस आरोपित के कनेक्शन और राजधानी में ठहरने का कारण पता करने में लगी है। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर महेंद्र कुमार सिंह के मुताबिक, आरोपित विष्णुपुरी रोड शनिगवां रोड नौबस्ता कानपुर नगर निवासी आलूको उलवा टोबी जोंस को पकड़ा गया है। आरोपित मूलरूप से १० एडिवियो स्टेट बिहांड टी नाइट हॉस्पिटल एडियो एकिति स्टेट नाइजीरिया का रहने वाला है। मुखबिर की सूचना पर आरोपित को ज्ञानी ढाबा बीट से पकड़ा गया। आरोपित आलूको उलवा के पास से समाप्त हो चुका मूल वीजा, पासपोर्ट, आधार कार्ड, मैरिज सर्टिफिकेट, बैंक पास बुक और शादी का अनापत्ति प्रमाण पत्र बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपित ने कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी, जिसके बाद पुलिस ने

उसके खिलाफ जालसाजी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया। गौरतलब है कि पूर्व में कई नाइजीरियन नागरिक साइबर क्राइम के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। साइबर क्राइम सेल ने भी तीन युवकों को दबोचा था। यही नहीं एसटीएफ ने भी गिरोह में शामिल नाइजीरियन को गिरफ्तार किया था। पुलिस का कहना है कि पकड़े गए आरोपित के बारे में जानकारी की जा रही है। वह यहां किस प्रयोजन से रह रहा था और उसके किन लोगों से कनेक्शन हैं, इसके बारे में पुलिस पता लगा रही है।

टीकाकरण के बाद भी जारी रहेगा कोरोना का प्रसार : डब्ल्यूएचओ

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भविष्य में बड़े पैमाने पर टीकाकरण के बाद भी कोरोना वायरस के निरंतर प्रसार के खतरे को लेकर चेतावनी दी है। डब्लूएचओ आपातकालीन स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक डॉ. माइकल रयान ने एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनका मानना है कि दुनिया को इस वायरस के उन्मूलन या निराकरण की शुरुआत को टीकाकरण की सफलता का पैमाना नहीं मानना चाहिए। रेयान ने कहा, ''यह सफलता का पैमाना नहीं है। सफलता का पैमाना इस वायरस की जान लेने, लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने तथा हमारे आर्थिक और सामाजिक जीवन को नष्ट करने की क्षमता को कम करना है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि टीकाकरण से हम इस वायरस के प्रसार को रोकने के बिन्दु तक नहीं पहुंच पायेंगे इसलिए इसका प्रसार जारी रहने के आसार हैं। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए देशों को संभवतः २०२१ तक वायरस से मुक्ति की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव इतिहास में अब तक ''हमने इस ग्रह पर केवल एक बीमारी का खत्म किया है, वह है चेचक। उन्होंने कहा कि हमें उस बिन्दु तक पहुंचना होगा जहां से वायरस को नियंत्रित किया जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दर्शकों के बीच पहुंचे

नयी दिल्ली। बहत्तरवें गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर आयोजित समारोह के समापन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दर्शकों के बीच पहुंचे और उनका अभिवादन स्वीकार किया। मोदी, राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद तथा उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू को विदा करने के बाद सबसे पहले मीडियाकर्मियों के पास पहुंचे और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उनके साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी थे। श्री मोदी के साथ थोड़ी दूर चलने के बाद सिंह उन्हें विदा करने के लिए रुक गए, लेकिन प्रधानमंत्री लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए राष्ट्रपति भवन की ओर बढ़ गये। प्रधानमंत्री जब गणतंत्र दिवस के मौके पर आयोजित समारोह को देखने के लिए आये लोगों के बीच पहुंचे, तो उनकी एक झलक पाने के लिए लोग अपनी निर्धारित जगह से उठ कर आगे बढ़ गये। इस दौरान लोगों ने मोदी–मोदी के नारे भी लगाए। कोरोना वायरस के कारण इस बार के समारोह में दर्शकों की संख्या काफी कम थी और लोगों के बैठने के स्थान पर भी सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखा गया।

देशवासियों को मोदी और शाह ने दी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने मंगलवार को अपने ट्विट संदेश में कहा, देशवासियों को गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। जय हिंद! शाह ने भी अपने संदेश में कहा, गणतंत्र दिवस' भारत की बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। मैं उन सभी महान विभूतियों का स्मरण करता हूँ, जिनके संघर्ष से १९५० में आज के दिन हमारा संविधान

लागू हुआ और साथ ही उन सभी वीरों को नमन करता हूँ जिन्होंने अपने शौर्य से भारतीय गणतंत्र की रक्षा की है। समूचा राष्ट्र आज ७२ वां गणतंत्र दिवस मना रहा है और भारत मां की उन महान हस्तियों को याद कर रहा है जिन्होंने देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर किया है। साथ ही उन शूर वीरों को नमन कर रहा है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों का बलिदान दिया और देश की सीमाओं तथा उसकी एकता व अखंडता को अक्षुण रखा।

युवा किसानों ने किया दिल्ली में प्रवेश

नई दिल्ली। दिल्ली–उत्तर प्रदेश सीमा गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसानों में शामिल कुछ युवा किसान गणतंत्र परेड के

लिए मंगलवार को तय समय से पहले बैरीकेड हटाकर देश की राजधानी दिल्ली में प्रवेश कर गए। वहीं ट्रैक्टर पर बैठे युवा किसान तेज आवाज में डीजे, तेज रफ्तार में ट्रैक्टर को हाइवे पर दौड़ाते नजर आ रहे हैं। हालांकि ट्रैक्टर परेड को लेकर किसान संगठनों की तरफ से कुछ निर्देश जारी किए गए थे, लेकिन फिलहाल इन निर्देशों का कोई खासा असर देखने को नहीं मिल रहा है। किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहे किसान नेताओं को उन्हें नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। नये केंद्रीय ृषि कानूनों के खिलाफ ये सभी दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों की अगुवाई करने वाले किसान संगठनों का संघ संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले राष्ट्रीय राजधानी में ट्रैक्टर परेड निकालने की योजना बनाई गई थी।

आंदोलनरत किसान ट्रैक्टर रैली के साथ आईटीओ के पास

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनरत किसान ट्रैक्टर रैली के साथ जबरन आईटीओ के पास पहुँच गए जहां पर उनका पुलिस के साथ जबरदस्त टकराव चल रहा है जिसमें पुलिस लाठी चार्ज कर रही है और आंसू गैस के गोले दाग रही है। इससे पहले किसान सिंघु ब र्डर, गाजीपुर ब र्डर समेत कई बॉर्डर पर बैरिकेड तोड़कर दिल्ली में घुसे। इस दौरान मुकरबा चौक, ट्रांसपोर्ट नगर, नोएडा मोड़, अक्षरधाम पर उनका पुलिस के साथ टकराव हुआ। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठियां चलाई लेकिन किसान टकराव के साथ आगे बढ़ते गए। आईटीओ के पास बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टर के साथ जमा होकर इंडिया गेट की तरफ बढ़ने लगे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की

कोशिश की लेकिन वे नहीं रुके। उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठी चार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। दिल्ली के अलग अलग इलाकों से मध्य दिल्ली की तरफ किसान लगातार ट्रैक्टर के साथ बढ़ रहे हैं। सिंघु ब र्डर से निकले किसानों के जत्थे और पुलिस के बीच मुकरबा चौक पर भिड़ंत हुई है। किसानों का ट्रैक्टर मार्च मुकरबा चौक से कंझावला जाने वाला था, लेकिन ऐन वक्त पर किसानों ने अपना रूट बदल दिया। वह आउटर रिंग रोड की ओर बढ़ गए। इस दौरान किसानों और पुलिस के बीच भिड़ंत हुई, जिसमें कई किसान और पुलिसकर्मी घायल हुए है। नोएडा मोड़ पर किसानों और पुलिस के बीच टकराव हुआ है। अक्षरधाम में किसान बैरिकेड तोड़कर सराय काले खां की ओर बढ़ गए हैं।

हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं : राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किसान आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के

बीच कृषि संबंधित तीनों कानूनों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा है कि हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं है और इससे नुकसान देश का ही होता है। गांधी ने कहा , हिंसा किसी समस्या का हल नहीं है। चोट किसी को भी लगे, नुकसान हमारे देश का ही होगा। देशहित के लिए कृषि–विरोधी कघनून वापस लो। इससे पहले गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी गणतंत्र दिवस पर देशवासियों को बधाई दी और कहा कि गणतंत्र देशवासियों का है और उन्हीं की बदौलत यह मजबूत होता है। गांधी ने अपने बधाई संदेश में कहा था भारत का प्रत्येक नागरिक देश का भाग्य विधाता है चाहे वो सत्याग्रही किसान–मजदूर हो या लघु–मध्यम व्यापारी, नौकरी तलाश करता युवा हो या महंगाई से परेशान गृहणी। गणतंत्र आपसे है,गणतंत्र आपका है। शुभकामनाएं। वाड्रा ने कहा कि जय जवान, जय किसान। गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं। जन गण मन ज्यादा से ज्यादा मजबूत हो गणतंत्र दिवस।

प्रदर्शनकारियों को वापस भेजने की कोशिश में जुटी पुलिस, दिल्ली के कई इलाकों में इंटरनेट सेवा बंद'

नई दिल्ली। देशभर में आज ७२वां गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है। वहीं, कृषि कानून के खिलाफ पिछले दो महीनों से आंदोलन कर रहे किसान दिल्ली में ट्रैक्टर रैली निकाल रहे हैं। सिंघु, टिकरी और गाजीपुर बॉर्डर पर किसान पुलिस की बैरिकेडिंग तोड़कर दिल्ली की सीमा में दाखिल हो गए। इसके साथ ही आईटीओ पर काफी बवाल मचा हुआ है। किसानों के पथराव के बाद कई पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। वहीं, एक ट्रैक्टर पलटने से ट्रैक्टर चालक किसान की मौत हो गई है। जबकि कई घायल बताए जा रहे हैं। किसानों ने लाल किले पर अपने झंडे फहराए हैं। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में मोबाइल इंटरनेट बंद किया गया है। यह कदम कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को देखकर उठाया गया है। वजीराबाद रोड, आईएसबीटी रोड, जीटी रोड, पुश्ता रोड, विकास मार्ग, एनएच–२४ पर ट्रैफिक बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से इन मार्गों पर जाने से बचने की अपील की है। आईटीओ से सुप्रीम कोर्ट के बीच भीड़ को रोकने के लिए तीन लेयर बनी है। एक लेयर रैपिड एक्शन फोर्स की है जो सबसे आगे है। दूसरी पुलिस की जो बीच में, तीसरी बीएसएफ की है। पुलिस पूरी तरह तैयार है। दिल्ली स्थित लाल किले के प्राचीर पर आंदोलकारी पहुंच गए। प्रदर्शनकारियों ने प्राचीर पर अपने संगठन का झंडा फहराया। इसके बाद एक प्रदर्शनकारी ने लाल किले की गुंबद पर ही झंडा लगा दिया। अभी प्रदर्शनकारी डटे हुए हैं, जिन्हें पुलिस समझाने की कोशिश कर रही है। पुलिसकर्मी लाल किले को खाली करा रहे है।

लड़कियों की फोटो अश्लील साइट पर अपलोड करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की पीजीआइ पुलिस व साइबर क्राइम सेल ने बुधवार को एक शातिर साइबर जालसाज को दबोचा। आठवीं फेल शातिर लड़की बनकर इंटरनेट मीडिया (फेसबुक और इंस्टाग्राम) पर पहले लड़कियों व महिलाओं से दोस्ती करता। फिर उनकी आइ–डी हैककर लेता। इसके बाद उनकी व्यक्तिगत फोटो चौटिंग से निकालकर नेकेड फोटो के साथ एडिट कर अश्लील साइट पर अपलोड कर देता। लड़कियों को लिंक भेजकर फोटो हटवाने के नाम पर मोटी रकम ऐंठता था। शातिर के पास से १० हजार लड़कियों की डीसीपी क्राइम पीके तिवारी ने बताया कि शातिर जालसाज विनीत मिश्रा के लैपटॉप से १० हजार लड़कियों का डाटा मिला है। जिनकी व्यक्तिगत अश्लील फोटो उसने अपने पास सेव कर रखी थी। उन्होंने बताया कि एक युवती ने बीते दिनों पीजीआइ थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। इसके बाद सर्विलांस और साइबर सेल की मदद से आरोपित के बारे में जानकारी जुटाकर उसे गिरफ्तार किया गया।

विनीत, लड़कियों से सिर्फ चौटिंग के माध्यम से ही बात करता था। साइबर क्राइम सेल के एक्सपर्ट शरीफ खान और अजय प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार जालसाज विनीत मूल रूप से शाहजहांपुर मस्जिदगंज चौक का रहने वाला है। वह लड़की बनकर लड़कियों और महिलाओं को इटरनेट मीडिया (फेसबुक और इंस्टाग्राम) पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर दोस्ती करता था। इसके बाद उनसे बातचीत करने लगता था। धीरे–धीरे फ्रेंडली होते ही वाट्सएप नंबर मांगता। इसके बाद उन्हें एक लिंक भेजता था। जैसी ही युवतियां व महिलाएं उस लिंक को खोलती तो उनकी आइडी का ऐक्सेस शातिर विनीत के पास पहुंच जाता। इस तरह से आरोपित उनकी आइडी हैक कर लेता था। इंस्पेक्टर रमेश चंद्र पांडेय ने बताया कि लड़कियां व महिलाएं जब अपने दोस्तों (ब्वाय फ्रेंड) से व्यक्तिगत चौट करती अथवा व्यक्तिगत फोटो का आदन–प्रदान करतीं तो उनकी वह स्क्रीन शॉट लेकर अपने पास रख लेता था। फिर १५–२० दिन बाद लड़कियों को एक लिंक भेजता था। लिंक ओपन करते ही लड़कियां अपनी फोटो अश्लील साइट पर देख दंग रह जाती थीं। शातिर लड़कियों से कहता था कि आपकी फोटो अश्लील साइट पर है। उसका एक अच्छा जुगाड़ है, जिसके माध्यम से वह फोटो हटवा सकता है। हटाने के लिए आपको रुपये देने होंगे। चूंकि शातिर लड़की बनकर लड़कियों व महिलाओं से चौटिंग पर बात करता था तो वह आसानी से विश्वास कर लेती थीं। इसके बाद पेटीएम और बैंक खाते में मोटी रकम मंगवा लेता था। डर के कारण लड़कियां व महिलाएं अपने घरवालों को भी नहीं बताती थीं। गिरफ्तारी की टीम में शामिल कांस्टेबल गोविंद सिंह ने बताया कि विनीत कक्षा आठ फेल है। उसने यूट्यूब से आइडी हैक करना सीखा था।

मुंबई में सर्राफा लूटकांड के तीन आरोपितों को एसटीएफ ने लखनऊ में दबोचा

लखनऊ, मुंबई के सनसनीखेज सर्राफा लूटकांड में उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (यूपी एसटीएफ) को बड़ा कामयाबी हाथ लगी है। मुंबई पुलिस और यूपी एसटीएफ की संयुक्त टीम ने मुंबई के मीरा रोड स्थित एस कुमार गोल्ड एंड डायमंड शॉप में लाखों की लूट करने वाले बुधवार को तीन लुटेरों को लखनऊ में गिरफ्तार किया है। इन लुटेरों से ज्वैलरी, वारदात में प्रयोग किए गए असलहे और मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि कई दिनों से पूर्वी उत्तर प्रदेश में संगठिक गिरोह योजना बनाकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। इस बीच मुंबई के मीरा रोड स्थित एस कुमार गोल्ड एंड डायमंड शॉप में लूट की वारदत में मुंबई पुलिस ने मदद मांगी थी। पड़ताल में पता चला कि गाजीपुर का एक अपराधी आसपास के जिलों के अपराधियों के साथ मिलकर गिरोह चला रहा है। उसने कई बड़ी वारदात की योजनाएं भी बनाई थी। एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि जानकारी मिली थी कि यह गिरोह राजधानी लखनऊ में लूट की बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे। गिरोह ने लखनऊ में एक प्रतिष्ठित ज्वैलरी शॉप की रेकी भी की थी और लूटपाट के उद्देश्य से २७ जनवरी को यहां आ रहे थे। इस जानकारी के आधार पर मुंबई पुलिस और यूपी एसटीएफ की संयुक्त टीम ने तीन लुटेरों को चिनहट स्थित देवा रोड, लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लुटेरों में विनय कुमार सिंह उर्फ सिंटू सिंह निवासी गाजीपुर, दिनेश निषाद निवासी जौनपुर और शैलेंद्र कुमार मिश्रा उर्फ बब्लू मिश्र निवासी वाराणसी शामिल हैं। इनमें विनय कुमार सिंह गिरोह का सरगना है। ४६ अंगूठी, चार सोने के हार, दस लॉकेट, दो जोड़ी कंगन, कीमती स्टोन, हीरे के नग, पांच लाख २७ हजार ४०० रुपए, दो असलहे, ३८ कारतूस और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

कई दसकों से चल रहे मार्ग को बन्द करा रहे कुछ स्वार्थी व रसूखदार मोहल्ले वासियों के विरोध करने पर नहीं हो पा रहे सफल, आये दिन मार्ग को बन्द करने का करते हैं प्रयास

लखीमपुर–खीरी। मुख्यालय पर शहर के इमली चौराहे से विलोबी मेमोरियल मैदान होकर सिविल लाइन व कचेहरी के लिए निकलने वाले रास्ते को वहां रहने वाले चन्द स्वार्थी व रसूखदार में एक रिटायर्ड प्रिसिपल सरोज सेठ व कुछ अन्य कथित प्रभावशाली लोगों द्वारा सुरक्षा कारणों का हवाला देकर बंद किया जा रहा है। बताया जाता है कि सन् १६६० से भी पूर्व के इस रास्ते पर अर्थात् बीते ६० ७० साल से भी अधिक समय से नगर वासियों तथा पलिया निघासन क्षेत्र से कोर्ट कचेहरी आने जाने वाले लोगों का आवागमन होता रहा है। समाचारों के मुताबिक यह रास्ता पहले काफी चौड़ा था जिससे मोटर साइकिल साइकिल सवार आदि भी निकल जाते थे परन्तु कुछ वर्ष पूर्व इन्हीं स्वार्थी व रसूखदार लोगों ने इस रास्ते को बन्द कराने हेतु रातों रात ऊंची ऊंची दीवालें तक बनवा दी थीं परन्तु मोहल्ले वासियों को जानकारी होने पर उनके हस्तक्षेप के बाद यह लोग अपनी कुत्सित मानसिकता में सफल नही हुए जिससे रास्ता बन्द तो नहीं हो पाया परन्तु अति संकरा अवश्य हो गया जिसमे से केवल एक पैदल व्यक्ति ही निकल सकता है। ज्ञात हो कि विलोबी मैदान में राजनीतिक पार्टियों की रैलियां, धरना प्रदर्शन व धार्मिक व शादी विवाह के आयोजनों आदि होते रहते हैं। सरकारी अस्पताल पुस्तकालय कचहरी व मैदान में बच्चों को खेलने के लिए इसी रास्ते का प्रयोग होता रहा है। वैसे ही दीवाल उठ जाने के करण विलोबी मैदान में दीवाल के लगे हिस्से में काफी गन्दगी बनी रहती है जहां बदबू के चलते कोई खड़ा भी नहीं हो सकता मजे की बात यह है कि वहीं नगर पालिका का ट्यूबवेल लगा हुआ है जिससे शहर में पानी की आपूर्ति की जाती है अब पुनः उक्त रिटायर्ड प्रधानाचार्या व अन्य के प्रभाव के चलते बंद करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है जिसका जनहित के चलते आम जनता तथा उसी मोहल्ले के निवासी इसको बंद किए जाने का विरोध कर रहे हैं जिससे अभी यह कथित धनाढ्य अपने मंसूबों में सफल नहीं हो पाये हैं। लोगों का कहना है कि यह लोग मार्ग को बंद कराकर टीन शेड आदि डालकर जगह को निजी प्रयोग में लाना चाहते हैं। गत दिवस भी जब इसे बन्द करने के लिए मसाला आदि की व्यवस्था होकर मिस्त्री कार्य शुरू करने ही जा रहा था कि लोगों को इसकी जानकारी हो गई और विलोबी ट्रस्ट के लोगो सहित अन्य मोहल्ले के निवासी मौके पर पहुंच गए और इन कथित रसूखदारों के इस ेत्य का विरोध किया इसी बीच कुछ पत्रकार बन्धु भी मौके पर पहुंच गए और उन्होंने जब इस बावत् रिटायर्ड प्रधानाचार्या से जानकारी चाही कि किसके आदेश पर वह इस आम रास्ते को बन्द करा रही हैं तो बताते हैं कि पहले तो उन्होंने डीएम का नाम लिया जिससे किसी ने डीएम को फोन लगा दिया हालांकि डीएम का फोन उठा नहीं लेकिन महोदया यह कहते हुए वह अन्दर अपने मकान में घुस गईं कि अब यह सामान ब्यर्थ नहीं जायेगा और इसे अब डीएम ही बन्द करायेंगे। इससे पूर्व मोहल्ले वासियों द्वारा जनहित को देखते हुए इस रास्ते को चालू रखने के लिए जिलाधिकारी को एक प्रार्थना पत्र भेजा भी जा चुका है।

दुधवा टाइगर रिजर्व के जंगल में गैंडा हई मौत

पलियाकलां–खीरी। दुधवा टाइगर रिजर्व की सोनारी पुर रेंज ककरहा बीट के जंगल में गश्त के दौरान बीते दिवस एक गैंडा घायलावस्था में मिला था,जिसका उपचार कानपुर के पशु चिकित्सक आरके सिंह द्वारा किया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। गैंडा के शव का पोस्टमार्टम करने के लिए तीन पशु चिकिसकों का पैनल बनाया गया है।अनुमान लगया जा रहा है कि गैंडा की मौत बाघ द्वारा किये गए हमले से हुई है। बीते साल भी बाघ के हमले से एक गैंडा शिशु की मौत हो गईं थी। दुधवा टाइगर रिजर्व की सोनारीपुर रेंज के ककरहा बीट के जंगल में बीते दिवस गस्त के दौरान एक गैंडा घायलावस्था में पाया गया था। इसकी सूचना पर दुधवा डिप्टी डायरेक्टर मनोज सोनकर, बेलरायां वार्डन,सोनारीपुर रेंजर मौके पर पहुंच गए और घटनास्थल का जायजा लिया। गैंडा के शरीर पर छोटे–बड़े करीब १७ घाव पाए गए। जिससे यह अनुमान लगाया कि यह घाव बाघ द्वारा किये गए हमले से आये है। घायल गैंडा का उपचार कानपुर के पशु चिकिसक डाक्टर आरके सिंह द्वारा किया गया। लेकिन गैंडा की मौत हो गई। शव के पोस्टमार्टम के लिए तीन पशुचिकित्साधिकारियों का पैनल बनाया गया है। इसमें उप मुख्य चकिसत्साधिकारी डाक्टर जेबी सिंह, डाक्टर बाबूराम निगम पशु चिकित्साधिकारी सुंडा, डाक्टर दयाशंकर पशुचिकित्सक दुधवा वन प्रभाग शामिल हैं। प्रथम दृष्टया अनुमान लगाया जा रहा है कि गैंडा की मौत बाघ द्वारा किये गए हमले से हुई है। डिप्टी डायरेक्टर मनोज सोनकर ने बताया कि मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही लग पाएगा। इससे पूर्व भी बीते साल बाघ के हमले से एक गैंडा शिशु की भी मौत हो गई थी।

उल्लेखनीय है कि दुधवा टाइगर रिजर्व के सोनारी पुर जंगल के २७ वर्गकिमी के जंगल में गैंडा पुनर्वास परियोजना चलाई जा रही है। इसमें अब ३० सदस्यीय गैंडा परिवार रह गया है। जबकि इनकी गिनती ३२ तक पहुंच गई थी। दुधवा की गैंडा पुनर्वास परियोजना विश्व की प्रथम परियोजना है। जिसमे किसी बिलुप्त हो चुके वन्यजीव को सफलता से पुनर्वासित कराया गया। दुधवा में यह परियोजना १ अप्रैल १६८४ को असम से लाये गए ४ गैंडा से शुरू की गई थी, बाद में इसमें नेपाल से लाये गए २ गैंडो को शामिल किया गया था।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर कोविड१९ को किया गया नज़रअंदाज

लखनऊ। पूर्व माध्यमिक विद्यालय मस्तीपुर व राजकीय हाईस्कूल मस्तीपुर में ७२ वां गणतन्त्र दिवस के अवसर पर धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर समाज सेवी द्वारा मेधावी बच्चो को पुरुष्कृत किया कसर नहीं छोडी गई हर्षोल्लास के इस मौके पर न तो किसी बच्चे को मास्क और सामाजिक दूरी के बारे में जागरूक किया गया और न ही अध्यापकों ने खूद इस पर अमल किया। सभी बच्चे और अध्यापक ग्रुप में अध्यापको द्वारा सामग्री के विषय मे जानकारी दी गयी बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए जिन्हें उपस्थित लोगों द्वारा खूब सराहा गया तत्पश्चात दोनों विद्यालय के उपस्थित सभी बच्चो

बिना मास्क और बिना सामाजिक दूरी के अध्यापक और बच्चे

गया बच्चों को गणतन्त्र दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला गया व बच्चों से मांसाहार से परहेज करने व शाकाहार भोजन व उससे लाभ व समाज मे व्याप्त भेदभाव व नशे से मुक्ति व उससे हानिया बताई गई। मगर इस दौरान कोविड१६ को पूरी तरह नजर अंदाज करते हुए करोना को बढावा देने में कोई बिना मास्क के बिना दूरी बनाए तस्वीर में साफ नजर आए इस दौरान प्रधानाध्यापक संजीव कुमार दीक्षित द्वारा अभिभावक चौपाल भी लगाई गयी जिसमे बच्चो की वर्कशीट पर गृह कार्य व टी वी रेडियो पर आ रहे बच्चों की पाठ्यक्रम सामग्री व समय सारणी तथा स्कूल के बच्चों को मोबाइल को समाज सेवी द्वारा बच्चों को बढ़िया भोजन कराया गया जिससे बच्चे अत्यंत प्रफुल्लित हुए इस अवसर पर ग्राम प्रधान नौमी लाल पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधान अध्यापक संजीव कुमार दीक्षित राजकीय हाईस्कूल के पांडेय जी वह अन्य अध्यापक सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जॉन की फिल्म सत्यमेव जयते २ ईद पर होगी रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड के माचो मैन जॉन अब्राहम की फिल्म सत्यमेव जयते २ ईद के वसर पर १४ मई को रिलीज होगी। जॉन अब्राहम बहुत जल्द फिल्म सत्यमेव जयते २ में नजर आने वाले हैं। इस बीच फिल्म की रिलीज की तारीख भी सामने आ गई है। जॉन अब्राहम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फिल्म की रिलीज की तारीख का ऐलान किया है। जॉन अब्राहम ने सोशल मीडिया पर देश का झंडा लिए अपनी एक तस्वीर शेयर की है जिसमें उन्होंने सफेद रंग के कुर्ते के साथ सफेद पगड़ी भी बांधी हुई

है। तस्वीर शेयर करते हुए जॉन ने लिखा, "तम मन धन से बढ़कर जण गण मन। सत्यमेव जयते २ की टीम की ओर से हैप्पी रिपब्लिक डे। ईद पर १४ मई को मुलाकात होगी। मिलाप झवेरी निर्देशित सत्यमेव जयते में जॉन के अलावा मनोज बाजपेयी सहित कई सितारे अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म २०१८ में प्रदर्शित 'सत्यमेव जयते' की सीक्वल है। सत्यमेव जयते २ में दिव्या खोसला कुमार भी हैं। सत्यमेव जयते २ को भूषण कुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं।

निरहुआ की पहली शॉर्ट फिल्म भारत रिलीज

मुंबई। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव की पहली शॉर्ट फिल्म भारत रिलीज हो गयी है। दिनेश लाल यादव निरहुआ की पहली श र्ट फिल्म 'भारत' में उनका पांच शेड नजर आ रहा है, जो देशभक्ति से ओतप्रोत है। दिनेश लाल यादव निरहुआ ने दर्शकों से इसे देखने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि हमारा देश भारत विविधताओं वाला देश है। अनेकता में एकता हमारी पहचान हैं। कुछ यही इस फिल्म में भी एक अलग ढंग से कहने की कोशिश की गई है। इसलिए मेरी पहली शॉर्ट फिल्म 'भारत' को आप जरूर देखें। और यदि आप तक हमारा संदेश पहुंच जाएगा, तो हम समझेंगे कि हमें सफल हुए हैं। निरहुआ ने कहा, "निर्देशक मुकेश तिवारी और निर्माता सुधांशु शेखर ने बहुत अच्छे मैसेज के साथ इस फिल्म का निर्माण किया है। इन्होंने हमें इस फिल्म के बारे बताया और कहा कि आप इस फिल्म को करें। मैंने जब इसकी कहानी पढ़ी तो मैं फिल्म के लिए राजी हो गया। फिल्म काफी अच्छी बनी है। मुकेश तिवारी ने कहा कि दिनेशलाल यादव निरहुआ को बहुत–बहुत ध न्यवाद, जिनके सपोर्ट से हम इस फिल्म को बना पाए। उन्होंने बेहतरीन काम किया है फिल्म में वहीं, निर्माता सुधांशु शेखर ने इस फिल्म को जाति, धर्म, सम्प्रदाय और विभेद से ऊपर बताया और कहा कि यह एक संदेशप्रद फिल्म है, जिस हर भारतवासी को देखना चाहिए।

रेलवे नें पटना-कोटा ट्रेन सप्ताह में तीन दिन और चलाने का लिया निर्णय

लखनऊ। राजस्थान के कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र–छात्राओं के लिए राहत की खबर है। रेलवे प्रशासन ने इस ट्रेन का सप्ताह में तीन दिन और चलाने का निर्णय लिया है।

अभी तक ये ट्रेन सप्ताह में सिर्फ दो दिन चल रही थी। ऐसे में २८ जनवरी गुरुवार से पटना से और एक फरवरी सोमवार से कोटा से ट्रेन चलेगी। रेलवे प्रशासन पहले सुलतानपुर होकर सप्ताह में दो दिन पटना–कोटा ट्रेन शुरुआत की थी। जिसका संचालन बढ़ाकर अब गुरुवार से ०३२३६ पटना से गुरुवार, शुक्रवार और सोमवार को भी चलेगी। वापसी में एक फरवरी से यह ट्रेन कोटा से सोमवार, मंगलवार और शनिवार को भी चलेगी। यह ट्रेन पटना से सुबह ११रू४५ बजे संचालित होकर लखनऊ रात ११:४० बजे पहुंचकर कोटा अगले दिन सुबह ११:५५ बजे पहुंचेगी। वहीं वापसी में ट्रेन नंबर ०३२३८ कोटा से शाम ६:१० बजे अगले दिन सुबह ६:४५ बजे लखनऊ होते हुए पटना शाम ७:३० बजे पहुंचेगी। कोटा से चलकर इंद्रगढ़, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडोन, ब्याना, भरतपुर, मथुरा, आगरा छावनी, टुंडला, कानपुर सेंट्रल, उन्नाव, लखनऊ, फैजाबाद, अयोध्या, अकबरपुर, शाहगंज, जौनपुर, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, जमनिया, बक्सर, डुमरान, आरा, बिहिटा और दानापुर स्टेशनों से होते हुए पटना पहुंचेगी।

अमेठी से रिश्ता राजनीतिक नहीं : प्रियंका

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को अमेठी के जामो में पंचायत के सदस्यों को संबोधित किया और पार्टी संगठन को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक को संबोधित करते हुए, प्रियंका ने कहा कि उनके लिए अमेठी के साथ संबंध राजनीतिक नहीं थे, बल्कि एक परिवार के थे। उन्होंने कहा कि कृषि कानून न केवल किसानों के बल्कि पूरे देश के हित के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस किसानों और समाज के कमजोर वर्गों का समर्थन करती है।

ट्रेन से भेजे गए १०० नेपाली नागरिक

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ने नेपाल के नागरिकों को सोमवार को पहली बार लखनऊ जंक्शन से १०० लोगों को विशेष ट्रेन से भेजा। ट्रेन नंबर ०६०६४ लखनऊ जं.–चेन्नई सुपरफास्ट से विशेष गाड़ी में लगाये गये विशेष कोच में १०० यात्रियों को रवाना किया गया। बता दें, कोरोना के चलते अभी तक नेपाली नागरिकों को नेपाल की यात्रा बस से करनी पड़ती थी। जिसमें किराया और समय दोनों अधिक लगता था।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckt ibZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqj'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक